



e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

# IJIRSET

International Journal of Innovative Research in  
**SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY**

# INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 11, Issue 3, March 2022

**ISSN** INTERNATIONAL  
STANDARD  
SERIAL  
NUMBER  
INDIA

Impact Factor: 7.569

9940 572 462

6381 907 438

[ijirset@gmail.com](mailto:ijirset@gmail.com)

[www.ijirset.com](http://www.ijirset.com)

# रूस-यूक्रेनी युद्ध द्वारा मानवीय विनाश

डॉ. सुधांशु वर्मा

असिस्टेंट प्रोफेसर (समाजशास्त्र), आचार्य नरेंद्र देव किसान पीजी कॉलेज, बभनान, गोंडा, ( उत्तर प्रदेश)

## सारांश

रूसो-यूक्रेनी युद्ध एक चल रहा युद्ध है जिसमें मुख्य रूप से रूस , रूस समर्थक सेनाएं, और एक तरफ बेलारूस , और दूसरी तरफ यूक्रेन और उसके अंतर्राष्ट्रीय समर्थक शामिल हैं। संघर्ष फरवरी 2014 में गरिमा की क्रांति के बाद शुरू हुआ, और क्रीमिया की स्थिति और डोनबास के कुछ हिस्सों पर ध्यान केंद्रित किया , अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूक्रेन के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है। संघर्ष में क्रीमिया (2014), डोनबास में युद्ध (2014-वर्तमान), नौसैनिक घटनाएं , साइबर युद्ध और राजनीतिक तनाव शामिल हैं। रूस ने जानबूझकर अपनी संलिप्तता को छुपाते हुए 2014 के बाद से डोनबास में अलगाववादियों को सैन्य समर्थन दिया। 2021 के अंत से सीमा पर एक बड़ी सैन्य उपस्थिति का निर्माण करने के बाद , रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किया, जो जारी है। यूरोमैडन विरोध और क्रांति के बाद 22 फरवरी 2014 को रूसी समर्थक राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच को हटाने के परिणामस्वरूप , यूक्रेन के कुछ हिस्सों में रूसी समर्थक अशांति फैल गई।



बिना प्रतीक चिन्ह के रूसी सैनिकों ने क्रीमिया के यूक्रेनी क्षेत्र में रणनीतिक पदों और बुनियादी ढांचे पर नियंत्रण कर लिया। अचिह्नित रूसी सैनिकों ने क्रीमिया की संसद पर कब्जा कर लिया और रूस ने व्यापक रूप से आलोचना की गई जनमत संग्रह का आयोजन किया , जिसका परिणाम क्रीमिया के रूस में शामिल होना था। इसके बाद इसने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया । अप्रैल 2014 में, यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में रूसी समर्थक समूहों द्वारा किए गए प्रदर्शन यूक्रेनी सेना और के बीच युद्ध में बदल गए। स्व-घोषित डोनेट्स्क और लुहान्स्क गणराज्यों के रूसी समर्थित अलगाववादी । अगस्त 2014 में, अचिह्नित रूसी सैन्य वाहनों ने डोनेट्स्क गणराज्य में सीमा पार की। यूक्रेनी सेना और रूसी सैनिकों के साथ अलगाववादियों के बीच एक अघोषित युद्ध शुरू हुआ, हालांकि रूस ने डोनबास में अपने सैनिकों की उपस्थिति से इनकार किया। युद्ध विराम के बार-बार असफल प्रयासों के साथ, युद्ध गतिरोध में बदल गया। 2015 में, रूस और यूक्रेन द्वारा मिन्स्क ॥ नामक समझौतों के एक पैकेज पर हस्ताक्षर किए गए थे, लेकिन कई विवादों ने उन्हें पूरी तरह से लागू होने से रोक दिया। 2019 तक, यूक्रेन के 7% क्षेत्र को यूक्रेनी सरकार द्वारा अस्थायी रूप से कब्जे वाले क्षेत्रों के रूप में वर्गीकृत किया गया था , जबकि रूसी सरकार ने अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन में अपने सैनिकों की उपस्थिति को स्वीकार किया था।

2021 और 2022 की शुरुआत में, यूक्रेन की सीमाओं के आसपास एक प्रमुख रूसी सैन्य निर्माण हुआ था। नाटो ने रूस पर आक्रमण की योजना बनाने का आरोप लगाया, जिसका उसने खंडन किया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नाटो के विस्तार को अपने देश के

लिए खतरा बताते हुए आलोचना की और मांग की कि यूक्रेन को सैन्य गठबंधन में शामिल होने से कभी भी रोक दिया जाए। उन्होंने रूसी अप्रासंगिक विचारों को भी व्यक्त किया, यूक्रेन के अस्तित्व के अधिकार पर सवाल उठाया, और कहा कि यूक्रेन को सोवियत रूस द्वारा गलत तरीके से बनाया गया था। 21 फरवरी 2022 को रूस ने आधिकारिक तौर पर दो स्व-घोषित अलगाववादी राज्यों को मान्यता दीडोनबास में, और क्षेत्रों में सैनिकों को भेजा। तीन दिन बाद, पुतिन द्वारा "विशेष सैन्य अभियान" की घोषणा के बाद रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया। एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसे अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और संगठनों ने रूस पर क्रांतिकारी यूक्रेन के बाद के कार्यों के लिए निंदा की है, उस पर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ने और यूक्रेनी संप्रभुता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। कई देशों ने रूस, रूसी व्यक्तियों या कंपनियों के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध लागू किए, विशेष रूप से 2022 के आक्रमण के बाद।

### परिचय

1954 में क्रीमिया का स्थानांतरण, जो काला सागर बेड़े का घर रहा है, रूसी एसएफएसआर से यूक्रेनी एसएसआर में सोवियत प्रधानमंत्री निकिता ख्रुश्चेव के नेतृत्व में आया। [1,2]



### पुतिन & ज़ेलेंस्की

इस घटना को एक महत्वहीन "प्रतीकात्मक इशारा" के रूप में देखा गया था, क्योंकि दोनों गणराज्य सोवियत संघ का हिस्सा थे और मॉस्को में सरकार के प्रति जवाबदेह थे। 1991 में एक जनमत संग्रह के बाद क्रीमिया स्वायत्तता को फिर से स्थापित किया गया था। 1991 से एक स्वतंत्र देश होने के बावजूद, एक पूर्व सोवियत समाजवादी गणराज्य के रूप में, यूक्रेन को रूस द्वारा अपने प्रभाव क्षेत्र का हिस्सा माना जाता है। इयूलियन चिफू और उनके सह-लेखकों का कहना है कि, यूक्रेन के संबंध में, रूस "सीमित संप्रभुता" पर ब्रेझ्नेव सिद्धांत के एक आधुनिक संस्करण का अनुसरण करता है, जो यह निर्देश देता है कि यूक्रेन की संप्रभुता मृत्यु से पहले वारसा संधि से बड़ी नहीं हो सकती है।



1989 की क्रांतियों के साथ सोवियत क्षेत्र का प्रभाव । यह दावा रूसी नेताओं के बयानों पर आधारित है कि नाटो में यूक्रेन का संभावित एकीकरण रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालेगा। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद , यूक्रेन और रूस ने दशकों तक बहुत करीबी संबंध बनाए रखे । इसी समय, कई महत्वपूर्ण बिंदु थे, सबसे महत्वपूर्ण यूक्रेन के महत्वपूर्ण परमाणु शस्त्रागार , जिसे यूक्रेन ने बुडापेस्ट मेमोरेंडम ऑन सिव्योरिटी एश्योरेंस (दिसंबर 1994) में इस शर्त पर छोड़ने पर सहमति व्यक्त की कि रूस और अन्य हस्ताक्षरकर्ता खतरों के खिलाफ आश्वासन जारी करेंगे या क्षेत्रीय अखंडता या यूक्रेन की राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल का प्रयोग। [3,4] 1999 में, रूस यूरोपीय सुरक्षा चार्टर के हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक था, जहां यह "प्रत्येक भाग लेने वाले राज्य के अंतर्निहित अधिकार की पुष्टि करता है कि वह गठबंधन की संधियों सहित, अपनी सुरक्षा व्यवस्था को चुनने या बदलने के लिए स्वतंत्र है, जैसा कि वे विकसित होते हैं"। एक अन्य बिंदु काला सागर बेड़े का विभाजन था। यूक्रेन ने सेवस्तोपोल सहित कई नौसैनिक सुविधाओं को पट्टे पर देने पर सहमति व्यक्त की ताकि रूसी काला सागर बेड़े यूक्रेनी नौसैनिक बलों के साथ वहां स्थित रह सकें। 1993 से शुरू होकर 1990 और 2000 के दशक तक यूक्रेन और रूस कई गैस विवादों में उलझे रहे ।[5,6] 2001 में, यूक्रेन ने जॉर्जिया, अजरबैजान और मोल्दोवा के साथ मिलकर GUAM ऑर्गनाइजेशन फॉर डेमोक्रेसी एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट नामक एक समूह का गठन किया, जिसे रूस ने स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल , रूसी-प्रभुत्व वाले व्यापार के लिए एक सीधी चुनौती के रूप में देखा। सोवियत संघ के पतन के बाद स्थापित समूह। 2004 की ऑरेंज क्रांति से रूस और अधिक चिढ़ गया , जिसने यूरोपीय समर्थक विक्टर युशचेंको को रूसी समर्थक विक्टर यानुकोविच के बजाय राष्ट्रपति चुना । इसके अलावा, यूक्रेन ने नाटो के साथ अपना सहयोग बढ़ाना जारी रखा , 2004 में इराक में सैनिकों की तीसरी सबसे बड़ी टुकड़ी को तैनात किया, साथ ही साथ शांति सैनिकों को अफगानिस्तान में आईएसएफ बल और कोसोवो में केएफओआर जैसे नाटो मिशनों को समर्पित किया । 2010 में यानुकोविच चुने गए और रूस को लगा कि यूक्रेन के साथ कई संबंधों को सुधारा जा सकता है। इससे पहले, यूक्रेन ने क्रीमिया में नौसैनिक सुविधाओं के पट्टे का नवीनीकरण नहीं किया था, जिसका अर्थ है कि रूसी सैनिकों को 2017 तक क्रीमिया छोड़ना होगा। यानुकोविच ने एक नए पट्टे पर हस्ताक्षर किए और स्वीकार्य सैन्य उपस्थिति का विस्तार किया और साथ ही सैनिकों को केर्च प्रायद्वीप में प्रशिक्षित करने की अनुमति दी ।[7,8]



यूक्रेन में कई लोगों ने विस्तार को असंवैधानिक माना क्योंकि यूक्रेन के संविधान में कहा गया है कि सेवस्तोपोल संधि समाप्त होने के बाद यूक्रेन में कोई भी स्थायी विदेशी सेना तैनात नहीं की जाएगी। Yanukovich की मुख्य विपक्षी हस्ती यूलिया Tymoshenko को उन आरोपों में जेल में डाल दिया गया था जिन्हें राजनीतिक उत्पीड़न कहा जाता था । अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों द्वारा, सरकार के साथ और अधिक असंतोष के लिए अग्रणी। नवंबर 2013 में, विक्टर यानुकोविच ने यूरोपीय संघ के साथ एक संघ समझौते पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया, एक संधि जो कई वर्षों से विकास में थी और एक जिसे यानुकोविच, जिसने रूस के साथ घनिष्ठ संबंधों का समर्थन किया था, ने पहले इसे मंजूरी दे दी थी। सितंबर 2013 में, रूस ने चेतावनी दी कि यदि यूक्रेन यूरोपीय संघ के साथ एक नियोजित मुक्त व्यापार समझौते के साथ आगे बढ़ता है , तो उसे वित्तीय तबाही और संभवतः राज्य के पतन का सामना करना पड़ेगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सलाहकार सर्गेई ग्लेज़ेव ने कहा कि "यूक्रेनी अधिकारी बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं यदि उन्हें लगता है कि रूसी प्रतिक्रिया अब से कुछ वर्षों में तटस्थ हो जाएगी। ऐसा नहीं होगा।" रूस ने पहले ही कुछ यूक्रेनी उत्पादों पर आयात प्रतिबंध लगा दिया था और अगर समझौते पर हस्ताक्षर किए गए तो ग्लेज़ेव ने और प्रतिबंधों से इंकार नहीं किया। ग्लेज़ेव ने यूक्रेन के रूसी भाषी पूर्व और दक्षिण में अलगाववादी आंदोलनों की संभावना के लिए अनुमति दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर यूक्रेन समझौते पर हस्ताक्षर करता है, तो यह सामरिक साझेदारी और रूस के साथ दोस्ती पर द्विपक्षीय संधि का उल्लंघन

करेगा जो देशों की सीमाओं को चित्रित करता है। रूस अब एक राज्य के रूप में यूक्रेन की स्थिति की गारंटी नहीं देगा और संभवतः हस्तक्षेप कर सकता है यदि देश के रूसी समर्थक क्षेत्रों ने सीधे रूस से अपील की। [9,10]

### विचार – विमर्श

यूरोमैडन आंदोलन के हिस्से के रूप में महीनों के विरोध के बाद, 21 फरवरी 2014 को यानुकोविच और संसदीय विपक्ष के नेताओं ने एक समझौता समझौते पर हस्ताक्षर किए , जिसमें शुरुआती चुनावों का आह्वान किया गया था। अगले दिन, यानुकोविच एक महाभियोग वोट से पहले राजधानी से भाग गए, जिसने उन्हें राष्ट्रपति के रूप में उनकी शक्तियों को छीन लिया। 27 फरवरी को, एक अंतरिम सरकार की स्थापना हुई और प्रारंभिक राष्ट्रपति चुनाव निर्धारित किए गए।



अगले दिन, यानुकोविच रूस में फिर से उभरे और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि वह यूक्रेन के कार्यवाहक राष्ट्रपति बने रहेंगे, जैसे रूस क्रीमिया में अपने खुले सैन्य अभियान की शुरुआत कर रहा था। यूक्रेन के रूसी-भाषी पूर्वी क्षेत्रों के नेताओं ने यानुकोविच के प्रति निरंतर वफादारी की घोषणा की, जिसके कारण यूक्रेन में 2014 में रूस समर्थक अशांति हुई । 23 फरवरी को, संसद ने 2012 के कानून को निरस्त करने के लिए एक विधेयक को अपनाया जिसने रूसी भाषा को आधिकारिक दर्जा दिया। बिल अधिनियमित नहीं किया गया था , हालांकि, प्रस्ताव ने यूक्रेन के रूसी-भाषी क्षेत्रों में नकारात्मक प्रतिक्रियाओं को उकसाया, रूसी मीडिया ने यह कहते हुए तेज किया कि जातीय रूसी आबादी आसन्न खतरे में थी।[11]

27 फरवरी को, क्रीमिया और यूक्रेन के अन्य क्षेत्रों से बर्कूट विशेष पुलिस इकाइयों, जिन्हें 25 फरवरी को भंग कर दिया गया था, ने पेरेकोप और चोंहार प्रायद्वीप के इस्तमुस पर चौकियों को जब्त कर लिया । क्रीमियन पुलिस के पूर्व प्रमुख, यूक्रेनी सांसद हेनाडी मोस्कल के अनुसार, इन बर्कूट के पास बख्तरबंद कर्मियों के वाहक , ग्रेनेड लांचर , असॉल्ट राइफल , मशीनगन और अन्य हथियार थे। तब से, उन्होंने क्रीमिया और महाद्वीपीय यूक्रेन के बीच सभी भूमि यातायात को नियंत्रित किया है। 7 फरवरी 2014 को, एक लीक हुए ऑडियो से पता चला कि कीव में यूरोपीय और यूरोशियन मामलों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के सहायक सचिव विक्टोरिया नुलैंड , अगली यूक्रेनी सरकार के मेकअप पर वजन कर रहे थे। नुलैंड ने संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत जेफ्री पायट से कहा कि उन्हें नहीं लगता कि विटाली क्लिट्स्को को एक नई सरकार में होना चाहिए। ऑडियो क्लिप को सबसे पहले ट्विटर पर रूसी उप प्रधान मंत्री दिमित्री रोगोज़िन के सहयोगी दिमित्री लॉसकुटोव द्वारा पोस्ट किया गया था । 2019 में यूक्रेनी सरकारी बलों और रूसी समर्थित अलगाववादियों के बीच संघर्ष में 110 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गए थे। मई 2019 में, नव निर्वाचित यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने डोनबास में युद्ध को समाप्त करने का वादा करते हुए पदभार ग्रहण किया। दिसंबर 2019 में, यूक्रेन और रूस समर्थक अलगाववादियों ने युद्धबंदियों की अदला-बदली शुरू कर दी। 29 दिसंबर 2019 को लगभग 200 कैदियों का आदान-प्रदान किया गया। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, 2020 में यूक्रेनी सरकारी बलों और रूसी समर्थित अलगाववादियों के बीच संघर्ष में 50 यूक्रेनी सैनिक मारे गए थे।[12] 2019 के बाद से, रूस ने एक अपुष्ट समग्र आबादी के बीच 650,000 से अधिक आंतरिक रूसी पासपोर्ट जारी किए हैं, जिसे यूक्रेनी सरकार द्वारा इस क्षेत्र के विलय की दिशा में एक कदम के रूप में माना जाता है। मार्च के अंत में-अप्रैल 2021 की शुरुआत में, रूसी सेना ने पश्चिमी और मध्य रूस से बड़ी मात्रा में हथियार और उपकरण ले लिए, और साइबेरिया के रूप में दूर, कब्जे वाले क्रीमिया और पोगोनोवो प्रशिक्षण सुविधा में वीरोनिश से 17 किमी दक्षिण में ले जाया गया । एक जेन्स खुफिया विशेषज्ञ ने सेंट्रल मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट से चौदह रूसी सैन्य इकाइयों की पहचान की, जो रूस-यूक्रेनी सीमा के आसपास के क्षेत्र में चले गए थे, और इसे क्रीमिया पर 2014 के आक्रमण के बाद से सबसे बड़ा अघोषित सैन्य आंदोलन कहा। [13]



यूक्रेनी सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ रुस्लान खोमचक ने कहा कि रूस ने सीमा पर 28 बीटीजी ( बटालियन सामरिक समूह ) तैनात किए हैं, और यह उम्मीद की जा रही थी कि 25 और लाए जाने थे, जिसमें ब्रांस्क और रूस के पश्चिमी सैन्य जिले में वोरनिश विस्फोट । अगले दिन, रूसी राज्य समाचार एजेंसी टीएएसएस ने बताया कि उसके पचास बीटीजी में 15,000 सैनिक शामिल थे , जो दक्षिणी सैन्य जिले में अभ्यास के लिए बड़े पैमाने पर थे , जिसमें क्रीमिया पर कब्जा कर लिया गया था और डोनबास संघर्ष क्षेत्र की सीमा भी शामिल है। 9 अप्रैल तक, यूक्रेनी सीमा रक्षक के प्रमुख अनुमान है कि 85,000 रूसी सैनिक पहले से ही क्रीमिया में या यूक्रेनी सीमा के 40 किलोमीटर (25 मील) के भीतर थे। [14]

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेन्स्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से बात की और नाटो के सदस्यों से यूक्रेन की सदस्यता के अनुरोध में तेजी लाने का आग्रह किया । क्रेमलिन के एक प्रवक्ता ने कहा कि रूसी सैन्य आंदोलनों से कोई खतरा नहीं है, लेकिन रूसी अधिकारी दिमित्री कोज़ाक ने चेतावनी दी कि रूसी सेना यूक्रेन में रूसी नागरिकों की "बचाव" करने के लिए कार्य कर सकती है, और संघर्ष के किसी भी बढ़ने का मतलब होगा " यूक्रेन के अंत की शुरुआत" - "पैर में गोली नहीं, बल्कि चेहरे पर"। उस समय स्व-घोषित डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक में करीब पांच लाख लोग और 2014 में लड़ाई शुरू होने के बाद से लुहान्स्क पीपुल्स रिपब्लिक को रूसी पासपोर्ट जारी किए गए थे। 22 अप्रैल 2021 को, रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोयगु ने 1 मई तक बेस पर लौटने वाले सैनिकों के साथ एक अभ्यास ड्रॉडाउन की घोषणा की, लेकिन पोगोनोवो प्रशिक्षण में उपकरण छोड़कर सितंबर 2021 में बेलारूस के साथ वार्षिक अभ्यास के लिए सुविधा ।

### परिणाम

21 फरवरी 2022 को, रूसी सरकार ने दावा किया कि यूक्रेनी गोलाबारी ने रूस यूक्रेन सीमा पर एक FSB सीमा सुविधा को नष्ट कर दिया था, और दावा किया कि इसने 5 यूक्रेनी सैनिकों को मार डाला था जिन्होंने रूसी क्षेत्र में पार करने की कोशिश की थी। यूक्रेन ने दोनों घटनाओं में शामिल होने से इनकार किया और उन्हें झूठा झंडा बताया ।



उसी दिन, रूसी सरकार ने औपचारिक रूप से स्व-घोषित डीपीआर और एलपीआर को स्वतंत्र राज्यों के रूप में मान्यता दी, पुतिन के अनुसार न केवल उनके वास्तविक नियंत्रित क्षेत्रों में, बल्कि पूरे यूक्रेनी विस्फोटों में, और पुतिन ने टैंकों सहित रूसी सैनिकों को क्षेत्रों में प्रवेश करने का आदेश दिया। 24 फरवरी 2022 को, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहले सीमा पर केंद्रित रूसी सशस्त्र बलों द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण का आदेश दिया। आक्रमण के बाद यूक्रेन में सैन्य इमारतों के लक्षित हवाई हमले, साथ ही साथ टैंक बेलारूस सीमा के माध्यम से प्रवेश कर रहे थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने पूरे यूक्रेन में मार्शल लॉ की घोषणा की। पूरे यूक्रेन में दिन के अधिकांश समय हवाई हमले के सायरन सुनाई दिए। रूसी साइबर हमलों और बमबारी के परिणामस्वरूप यूक्रेन का आईसीटी बुनियादी ढांचा पहले ही खराब हो चुका है। कई यूक्रेनी शहरों या इमारतों पर कब्जा कर लिया गया है, जिसमें चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी शामिल है। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के अनुसार, रूसी सेना कीव की ओर "उम्मीद से अधिक प्रतिरोध का सामना कर रही है"; अगले दिन ब्रिटेन के वर्तमान सशस्त्र बलों के मंत्री जेम्स हेप्पी द्वारा दोहराया गया एक बयान | [14,15]

3 मार्च 2022 को, यूरोपीय संघ के मंत्री इतिहास में पहली बार अस्थायी सुरक्षा निर्देश लागू करने पर सहमत हुए, ताकि यूक्रेन के शरणार्थी शरण के लिए आवेदन किए बिना कम से कम एक वर्ष तक यूरोपीय संघ में रह सकें। जर्मनी, पोलैंड और स्विटजरलैंड सहित शेंगेन क्षेत्र के अधिकांश देशों ने युद्ध क्षेत्र से भागने वाले यूक्रेनियन के लिए पासपोर्ट आवश्यकताओं को माफ कर दिया है। 3 मार्च को, द टाइम्स ने बताया कि आक्रमण का विरोध करने वाले रूसी एफएसबी कर्मचारियों की युक्तियों के कारण ज़ेलेंस्की की हत्या के तीन प्रयासों को रोका गया था। दो प्रयास वैगनर ग्रुप, एक रूसी अर्धसैनिक बल, और एक चेचन नेता रमजान कादिरोव के निजी गार्ड कादिरोवत्सी द्वारा किए गए थे। कीव में सरकारी क्वार्टर की रखवाली करने वाले प्रादेशिक रक्षा बलों के कमांडर येवगेनी पटशनिक ने हालांकि कहा कि उन्हें विश्वास नहीं था कि इस तरह के कोई प्रयास किए गए थे और कहा कि पुतिन ज़ेलेंस्की को जिंदा पकड़ना चाहते थे।



अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने चेतावनी दी कि संघर्ष ने क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ा आर्थिक जोखिम पैदा किया है। उन्होंने कहा कि फंड संघर्ष से प्रभावित अन्य देशों की मदद कर सकता है, यूक्रेन की सहायता के लिए तैयार किए जा रहे 2.2 बिलियन डॉलर के ऋण पैकेज के पूरक हैं। विश्व बैंक समूह के अध्यक्ष डेविड मालपास ने कहा कि संघर्ष के दूरगामी आर्थिक और सामाजिक प्रभाव होंगे, और बताया कि बैंक यूक्रेनियन और क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक और वित्तीय सहायता के विकल्प तैयार कर रहा था। रूस के खिलाफ अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद, ऊर्जा कच्चे माल के भुगतान को इन उपायों से काफी हद तक बखशा गया था, क्योंकि खाद्य आपूर्ति विश्व खाद्य कीमतों पर संभावित प्रभाव के कारण थी। रूस और यूक्रेन गेहूं के प्रमुख उत्पादक हैं जो बोस्पोरस के माध्यम से भूमध्यसागरीय और उत्तरी अफ्रीकी देशों में निर्यात किए जाते हैं। स्विफ्ट से कुछ रूसी बैंकों के निष्कासन से देश के निर्यात पर असर पड़ने की आशंका है। इस तथ्य के कारण कि रूस मध्य एशिया में सोवियत-बाद के राज्यों के लिए सबसे बड़ा व्यापारिक और आर्थिक भागीदार है और लाखों सीआईएस के लिए एक प्रमुख गंतव्य है। के प्रवासी श्रमिक, मध्य एशिया विशेष रूप से रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

### निष्कर्ष

रूस अनाज, प्राकृतिक गैस और उर्वरकों का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक है और पैलेडियम, प्लैटिनम, सोना, कोबाल्ट, निकल और एल्यूमीनियम सहित कच्चे तेल और धातुओं के दुनिया के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। आक्रमण के परिणामस्वरूप, ब्रेंट तेल की कीमतें 2014 के बाद पहली बार \$100 प्रति बैरल से ऊपर उठीं। कुछ खरीदार स्वेच्छा से रूसी तेल और प्राकृतिक गैस का बहिष्कार कर रहे हैं। मार्च 2022 में, यूरोप में प्राकृतिक गैस की कीमतें अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। आक्रमण ने रूस से यूरोप को ऊर्जा आपूर्ति के लिए खतरा पैदा कर दिया, जिसके कारण यूरोपीय देशों ने अपने ऊर्जा आपूर्ति मार्गों में विविधता लाने की कोशिश की।



ऊर्जा और वस्तु व्यापार में रूस की महत्वपूर्ण भूमिका के कारण आपूर्ति श्रृंखला की अराजकता वैश्विक मुद्रास्फीति को बढ़ावा दे सकती है। आक्रमण के समय, यूक्रेन मकई और गेहूं का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक और सूरजमुखी तेल का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक था, रूस और यूक्रेन ने मिलकर दुनिया की गेहूं की आपूर्ति का 29% और विश्व सूरजमुखी तेल निर्यात का 75% निर्यात किया। 24 फरवरी को, चीन ने घोषणा की कि वह रूसी गेहूं पर सभी प्रतिबंधों को हटा देगा, जिसे साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने रूसी अर्थव्यवस्था के लिए एक संभावित "जीवन रेखा" कहा था। 25 फरवरी को, बेंचमार्क शिकागो बोर्ड ऑफ ट्रेड मार्च गेहूं वायदा अनुबंध 2012 के बाद से अपने उच्चतम मूल्य पर पहुंच गया, मकई और सोयाबीन की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई। [15]



### प्रतिक्रिया दें संदर्भ

1. "दक्षिण ओसेशिया डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक की स्वतंत्रता को मान्यता देता है" . रूस की सूचना टेलीग्राफ एजेंसी। 27 जून 2014। 17 नवंबर 2016 को मूल से संग्रहीत । 31 जनवरी 2022 को लिया गया ।
2. ^ एलेक, लुहान (6 नवंबर 2014)। "यूक्रेन के विद्रोही 'पीपुल्स रिपब्लिक' ने नए राज्यों के निर्माण का काम शुरू किया" । द गार्जियन । डोनेट्स्क . मूल से 26 जनवरी 2022 को संग्रहीत । 31 जनवरी 2022 को लिया गया ।
3. ^ लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक (रूसी में) के प्रमुख की आधिकारिक साइट। मूल से 12 मार्च 2018 को संग्रहीत किया गया । 11 मार्च 2018 को लिया गया ।
4. ^ लिस्टर, टिम; केसा, जूलिया (24 फरवरी 2022)। "यूक्रेन का कहना है कि यह रूसी, बेलारूस और क्रीमिया सीमाओं के माध्यम से हमला किया गया था" । कीव । सीएनएन । मूल से 24 फरवरी 2022 को संग्रहीत किया गया । 24 फरवरी 2022 को लिया गया ।
5. ^ मर्फी, पालू (24 फरवरी 2022)। "सैनिकों और सैन्य वाहनों ने बेलारूस से यूक्रेन में प्रवेश किया है" । सीएनएन । 23 फरवरी 2022 को मूल से संग्रहीत । 24 फरवरी 2022 को लिया गया ।
6. ^ रोडियोनोव, मैक्सिम; बामफोर्थ, टॉम (25 फरवरी 2022)। लुकाशेंको कहते हैं, "यदि आवश्यक हो तो यूक्रेन के खिलाफ ऑपरेशन में बेलारूसी सैनिकों का इस्तेमाल किया जा सकता है" । रॉयटर्स । मूल से 25 फरवरी 2022 को संग्रहीत । 25 फरवरी 2022 को लिया गया ।
7. ^ "बेलारूस से यूक्रेन में प्रक्षेपित मिसाइलें" . बीबीसी समाचार । 27 फरवरी 2022। 2 मार्च 2022 को मूल से संग्रहीत । 27 फरवरी 2022 को लिया गया ।
8. ^ "यूक्रेनी अधिकारी का कहना है कि बेलारूस युद्ध में शामिल हो गया है, रूस पमेल्स खार्किव के रूप में" . 1 मार्च 2022। 2 मार्च 2022 को मूल से संग्रहीत । 1 मार्च 2022 को लिया गया ।
9. ^ "यूक्रेन में युद्ध: कब्जाधारियों के खिलाफ खेरसॉन में हजारों मार्च" . बीबीसी समाचार । 5 मार्च 2022 । 6 मार्च 2022 को लिया गया ।
10. ^ बार्न्स, जूलियन ई.; क्रॉली, माइकल; शिम्ट, एरिक (10 जनवरी 2022)। "रूस पोजिशनिंग हेलीकॉप्टर, यूक्रेन योजनाओं के संभावित संकेत में" । द न्यूयॉर्क टाइम्स । 22 जनवरी 2022 को मूल से संग्रहीत । 20 जनवरी 2022 को लिया गया ।
11. ^ बंगाली, शशांक (18 फरवरी 2022)। "अमेरिका का कहना है कि रूस की सेना का निर्माण यूक्रेन और उसके आसपास 190,000 तक हो सकता है" । द न्यूयॉर्क टाइम्स । मूल से 18 फरवरी 2022 को संग्रहीत । 18 फरवरी 2022 को लिया गया ।
12. ^ द मिलिट्री बैलेंस 2021 । एबिंगडन, ऑक्सन: इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज । 2021. आईएसबीएन 978-1032012278.
13. ^ "रूस का कहना है कि उसके 498 सैनिक मारे गए, यूक्रेन में 1,597 घायल हुए - आरआईए" । रॉयटर्स । 2 मार्च 2022। 2 मार्च 2022 को मूल से संग्रहीत । 3 मार्च 2022 को लिया गया ।
14. ^ एल्बाउम, राकनहेल (3 मार्च 2022)। "1 मिलियन यूक्रेन से भाग गए क्योंकि रूसी हमले प्रमुख शहरों और ईंधन के पलायन को प्रभावित करते हैं" । एनबीसी न्यूज । 3 मार्च 2022 को लिया गया ।
15. ^ लिलिस, केटी बो; स्टार, बारबरा; स्क्यूट्टो, जिम; हर्ब, जेरेमी (2 मार्च 2022)। "अमेरिकी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि रूस तेजी से नागरिक ठिकानों को निशाना बनाएगा और यूक्रेन की सेना के 'धीमी गति से विनाश' की मांग करेगा" । सीएनएन । 7 मार्च 2022 को लिया गया । खुफिया जानकारी से परिचित अमेरिकी सूत्रों का कहना है कि आकलन 2,000 या 3,000 के करीब है।



**Impact Factor:  
7.569**



# INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

 9940 572 462  6381 907 438  [ijirset@gmail.com](mailto:ijirset@gmail.com)



[www.ijirset.com](http://www.ijirset.com)

Scan to save the contact details